DEPARTMENT OF SANSKRIT
PATNA UNIVERSITY, PATNA

SYLLABUS

OF

SYLLABUS OF B.A. HONS. (SANSKRIT) (PART - I, II, & III)

SYLLABUS OF B.A. SUBSIDIARY(PART - I & II)

AND

SYLLABUS OF M.A. (SANSKRIT) PART- I & II

YEAR- 2015

संस्कृत

स्नातक प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड

(B.A. Part- I Sanskrit Hons.)

प्रथम पत्र

पूर्णांक-100

1. व्याकरण

लघु सिद्धान्त कौमुदी-वरदराज 50 अंक

पाठ्य अंश- संज्ञा एवं संधि प्रकरण तथा राम एवं हरि शब्दों की रूपसिद्धि

अंक निर्धारण :

(क) संज्ञा प्रकरण 15 अंक

(ख) संधि प्रकरण 25 अंक

(ग) शब्द-रूप -सिद्धि 10 अंक

संस्कृत साहित्य का इतिहास 30 अंक

पाठ्य अंश- रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, गद्य, कथासाहित्य, गीतिकाव्य और काव्यशास्त्र

अंक निर्धारण :

दो आलोचनात्मक प्रश्न 10x2=30 अंक

3. **पाठ्यग्रंथों से वस्तुनिष्ठ प्रश्न** 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी- व्याख्याकार, घरानन्द शास्त्री
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी- व्याख्याकार, डॉ॰ रामविलास चौधरी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास-डॉ॰ उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
5. संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास-डॉ॰ रामविलास चौधरी

द्वितीय-पत्र

पद्यकाव्य : पूर्णांक-100

मेघदूतम् (पूर्व मेघ) - कालिदास

रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) - कालिदास

किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - भारवि

अंक निर्धारण :

प्रत्येक ग्रन्थ से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न	13x 3 = 39 अंक
दो ग्रन्थों से व्याख्या	10x 2 = 20 अंक
प्रत्येक ग्रन्थ से एक-एक अनुवाद	7x 3 = 21 अंक
वस्तुनिष्ठ	20 अंक

संस्कृत

स्नातक प्रतिष्ठा, द्वितीय खण्ड

(B.A. Part- II, Sanskrit Hons.)

तृतीय पत्र

पूर्णांक-100

1. व्याकरण

   वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी-भट्टोजिदीक्षित — 30 अंक

   पाठ्यांश- कारक प्रकरण

   अंक निर्धारण -

   (क) तीन सूत्रों की व्याख्या — 5x3 =15 अंक

   (ख) सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति निर्देश (तीन) — 5x3 =15 अंक

2. गद्य-

   (1) कादम्बरी- बाणभट्ट — 30 अंक

   (2) शिवराजविजय -पं॰ अम्बिकादत्त व्यास — 20 अंक

3. वस्तुनिष्ठ — 20 अंक

   अंक निर्धारण-

   (क) दोनों गद्य ग्रन्थों से एक-एक आलोचनात्मक — 12x2=24 अंक

   (ख) शुकनासोपदेश से एक संदर्भ की व्याख्या — 10 अंक

   (ग) दोनों गद्य ग्रन्थों से एक-एक संदर्भ का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद — 8x2=16 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ -

1. सिद्धान्त कौमुदी- व्या॰-पं॰ श्रीकान्त चौधरी
2. सिद्धान्त कौमुदी -व्या॰ -श्री॰ घरानन्दाघिल्डियाल
3. शुकनासोपदेश -व्या॰- हरिश्चन्द्र विद्यालंकार
4. शुकनासोपदेश-व्या॰- सुबोधचन्द्र पन्त
5. शिवराजविजय-व्या॰- विजयशंकर चौबे

चतुर्थ पत्र

पूर्णांक-100

नाटक :

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) — 60 अंक

अंक निर्धारण :

(क) दो आलोचनात्मक प्रश्न । — 15x2 = 30 अंक

(ख) दो पद्यों की व्याख्या, जिनमें एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य । — 1x20 = 20 अंक

(ग) दो पद्यों का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद । — 5x2 = 10अंक

2. **चारूदत्तम् (भास)** — 20 अंक

अंक निर्धारण :

(क) एक आलोचनात्मक प्रश्न । — 12 अंक

(ख) एक पद्य की व्याख्या । — 8 अंक

3. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** — 20 अंक

संस्कृत

स्नातक प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड

(B.A. Part- III Sanskrit Hons.)

पंचम पत्र

वैदिकवाङ्मय

पूर्णांक-100

1. ऋग्वेद संहिता 35

पाठ्यांश-

(i)	अग्नि सूक्त	1.1
(ii)	सवितृ सूक्त	1.35
(iii)	विष्णु	1.154
(iv)	इन्द्र	2.12
(v)	उषस्	4.51
(vi)	पर्जन्य	5.83

अंक निर्धारण

(क) देवता परिचय विषयक प्रश्न (एक)	10 अंक
(ख) मन्त्रों का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद (दो)	5 x 2 = 10 अंक
(ग) मन्त्रों की संस्कृत में व्याख्या (दो)	7.5x2 = 15 अंक

2. **कठोपनिषद् (प्रथम तीन वल्लियाँ)** 15 अंक

अंक निर्धारण :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न (एक)	10 अंक
(ख) व्याख्या (एक)	05 अंक

3. वैदिक व्याकरण 15 अंक

(क) शब्द रूप - 4 x 2 = 8 अंक

देव, शचि (नपुं॰), मति, मधु, राजन, देवी

युष्मद्, अस्मद्- इनमें से किन्हीं दो शब्दों के रूप।

(ख) धातु रूप- 3.5 x 2 =07 अंक

भू, ग्रह्, हु, दा, कृ, तथा गम् धातुओं के लट् तथा

लेट् (परस्मैपद) लकारों के रूप ।

अथवा

तुमर्थ एवं क्त्वा प्रत्ययार्थ वैदिक प्रत्ययों की विवेचना ।

4. वैदिक साहित्य का इतिहास 15 अंक

पाठ्यांश -

वेदों का काल, वेदों की विषय वस्तु का संक्षिप्त परिचय,

संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का

सामान्य परिचय ।

अंक निर्धारण :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न (एक) . 15 अंक

अनुशंसित पुस्तकें :

1. ऋक्सूक्तनिकर- व्या॰ डॉ॰ उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

अथवा

2. ऋग्भाष्यसंग्रह-संपादक-डॉ॰ देवराज चानना
3. कठोपनिषद्- गीता प्रेस, गोरखपुर
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति- आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी
6. वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास-डॉ॰ रामविलास चौधरी
7. भारतीय साहित्य का इतिहास-डॉ॰ एम॰ विन्टरनिट्स

5. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** 20 अंक

षष्ठ पत्र

पूर्णांक -1000

व्याकरणम्

1. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का परिचय 4x5 = 20 अंक

   गुण, वृद्धि, प्रगृह्य, प्रकृतिभाव, पूर्वरूप, पररूप, पद, प्रातिपदिक, संयोग, टि, घि, उपधा, सर्वनाम स्थान, नदी, उपसर्जन, उपपद, परस्मैपद, आत्मनेपद, सार्वधातुक, आर्धधातुक, निष्ठा, कृत्य तथा सम्प्रसारण।

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी- वरदराज

   पाठ्यांश-

   समास प्रकरण 30 अंक

   अंक निर्धारण :

   (क) उपर्युक्त पारिभाषिक शब्दों का परिचय (चार) 5 x 4 = 20 अंक

   (ख) समास प्रकरण से सूत्रों की व्याख्या (चार) 6 x 4 = 24 अंक

   (ग) सूत्रोल्लेखपूर्वक पदों की रूपसिद्धि (चार) 6 x 4 = 24 अंक

   (घ) विग्रह पदों का समस्तरूप 2 x 6 = 12 अंक

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 20 अंक

सप्तम पत्र

पूर्णांक -100

काव्यशास्त्र एवं छन्द

1. काव्य दीपिका — 65 अंक

(दोष छोड़कर)

निम्नलिखित अलंकार- अनुप्रास, यमक, उपमा, अनन्वय, रूपक, सन्देह, अपह्नुति, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दीपक, दृष्टान्त, व्यतिरेक, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, संकर तथा संसृष्टि ।

2. छन्द — 15 अंक

अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, भुजङ्गप्रयात, वसंततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, हरिणी, स्रग्विणी, शार्दूलविक्रीडित एवं स्रग्धरा ।

अंक निर्धारण :

(क) काव्यदीपिका से आलोचनात्मक (तीन) प्रश्न	15x3= 45 अंक
(ख) अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण (चार)	5x4 = 20 अंक
(ग) छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण (तीन)	5 x 3 = 15 अंक

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 20 अंक

अष्टम पत्र

पूर्णांक -80

1.	निबन्ध तथा रचना	80 अंक
2.	वाक् परीक्षा (मौखिकी)	20 अंक
	अंक निर्धारण :	
	(क) संस्कृत निबन्ध	20 अंक
	(ख) संस्कृत से हिन्दी या अंग्रेजी अनुवाद	15 अंक
	(ग) हिन्दी या अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद	15 अंक
	(घ) आठ वाक्यों के वाच्य परिवर्तन	8 x 2.5=20 अंक
	(ड़) अनेक शब्दों के एक शब्द (पांच)	5 x 2 = 10 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :

2. संस्कृत निबन्ध सञ्चयनम् - पं॰ व्रजभूषण मिश्र 'आक्रान्त' (संस्कृत प्रसार परिषद्, आरा)
3. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी

त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

B.A. PART- I

संस्कृत अनुपूरक (Subsidiary) प्रथम पत्र

पूर्णांक-100

1. **संस्कृत साहित्य का इतिहास** 30 अंक

   पाठ्यांश -

   रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, गद्यकाव्य, कथासाहित्य तथा गीतिकाव्य ।

2. **अनुवाद** 30 अंक

   (क) हिन्दी या अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद। 15 अंक

   (ख) संस्कृत से हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद । 15 अंक

3. **व्याकरण** 20 अंक

   लघुसिद्धान्तकौमुदी-वरदराज

   पाठ्यअंश- संज्ञा एवं सन्धि-प्रकरण

4. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** - 20 अंक

   1. संस्कृत साहित्य का इतिहास-आचार्य बलदेव उपाध्याय
   2. संस्कृत साहित्य का इतिहास-डॉ॰ उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
   3. संस्कृत साहित्य समालोचनात्मक इतिहास- डॉ॰ रामविलास चौधरी
   4. लघुसिद्धान्तकौमुदी- व्या॰ धरानन्द शास्त्री
   5. लघुसिद्धान्तकौमुदी -व्या॰ डॉ॰ रामविलास चौधरी

B.A. PART- II

संस्कृत अनुपूरक (Subsidiary) द्वितीय पत्र

पूर्णांक-100

1. **काव्य**

(क) **पद्य**

मेघदूत (पूर्व मेघ) कालिदास

पाठ्यांश- 1 से 30 पद्यपर्यन्त 22 अंक

(ख) **नाटक**

अभिज्ञानशाकुन्तल - कालिदास

पाठ्यांश-एक से चार अंक 32 अंक

(ग) **व्याकरण**

मध्यसिद्धान्तकौमुदी-वरदराजाचार्य

पाठ्यांश- विभक्त्यर्थ (कारक) 15 अंक

(घ) **संस्कृत में पत्र लेखन** 11 अंक

(ड़) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** 20 अंक

<u>अंक निर्धारण:</u>

1. प्रथम तीन ग्रन्थों से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न 15x2=30 अंक
2. प्रथम दो ग्रन्थों से एक-एक संदर्भ/पद्य का हिन्दी या अंग्रेजी में अनुसाद 7x2=14 अंक
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् अथवा मेघदूत से एक पद्य की व्याख्या 10 अंक
4. विभक्त्यर्थ (कारक) प्रकरण के तीन सूत्रों की व्याख्या 5x3=15 अंक
5. पत्र लेखन (संस्कृत में) 11 अंक